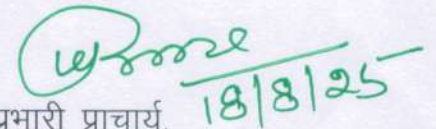


कार्यालय प्राचार्य, शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय इन्दौर

दिनांक 18/08/2024

आवश्यक— सूचना

स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा 01 दिवसीय गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला दिनांक 22/08/2025 प्रातः 10.00 से दोपहर 2.30 बजे तक आयोजित की जावेगी। उक्त कार्यशाला में व्यक्तिगत एवं टीम के साथ भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी दिनांक 20/08/2025 दोपहर 3.00 बजे तक अपने नाम/टीम का नाम प्रो. हिमांशी सोनी एवं प्रो. पवन कुमार भदौरिया को नोट करवा दें।



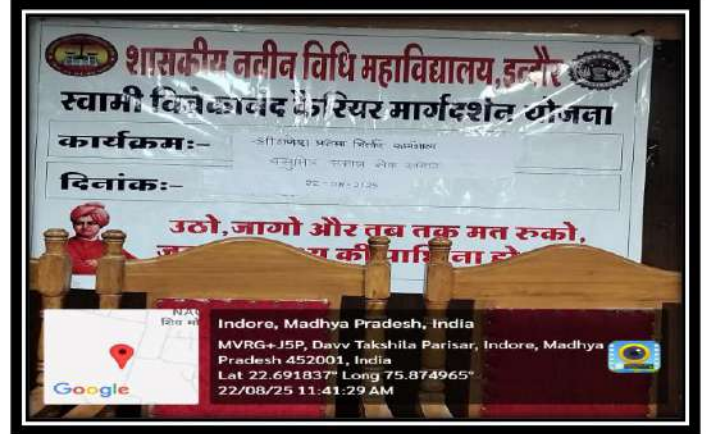
प्रभारी प्राचार्य,
शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय, इन्दौर



Government New Law College Indore

कार्यक्रम

श्री गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला वसुमित्र समाज सेवा
समिति दिनांक :- 22/08/2025





विधि महाविद्यालय में गणेश कार्यशाला



इंदौर (नवीन मौर्य)। शासकीय विधि महाविद्यालय में वसुमित्र समाज सेवा समिति एवं स्वामी विवेकानंद करियर प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में गणपति मूर्ति निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं गणेश जी की सुंदर मूर्तियाँ स्वयं के हाथों से बनाई।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम देना एवं पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों का निर्माण सिखाना रहा। वसुमित्र संस्था की सचिव ग्रीष्मा त्रिवेदी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रसिद्ध मूर्तिकार देवेन्द्र अत्रे ने सभी छात्रों को मूर्ति निर्माण की संपूर्ण जानकारी दी और उन्हें प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विपिन मिश्रा, श्रीमती ज्योति सिंघई एवं प्रो.भदौरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गणपति अथर्वशीर्ष के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में वसुमित्र संस्था से प्रमा पहवा, विधि गिरगिश, दिव्या खले उपस्थित रही।

थ शरीकर ने किया। गया है। विवधता हात हुए भा ह क साथ उपरला का सजावट पा है। की जाती हैं, इसलिए कुछ कृतियां तो चार से छह माह में तैयार हुई।

विद्यार्थियों ने मिट्टी से गणेश मूर्ति बनाना सीखा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: शासकीय विधि महाविद्यालय में वसुमित्र समाज सेवा समिति और स्वामी विवेकानंद करियर प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को विशेष गणपति मूर्ति निर्माण कार्यशाला रखी गई।

लगभग 60 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और हाथों से भगवान गणेश की सुंदर मूर्तियां बनाईं। मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर देना और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियां बनाना सिखाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ मिट्टी से गणेश



गणेश प्रतिमा बनाने के दिए गए प्रशिक्षण में शामिल रहे बड़ी संख्या में विद्यार्थी। सौजन्य प्रतिमाएं तैयार कीं। कई छात्रों ने लिया और इसे बेहद रोचक बताया। पहली बार मूर्ति बनाने का अनुभव वसुमित्र संस्था की सचिव ग्रीष्मा

- प्राकृतिक सामग्री से बनी मूर्तियों से पर्यावरण को नुकसान नहीं
- मूर्ति निर्माण कार्यशाला में 60 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

त्रिवेदी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रसिद्ध मूर्तिकार देवेन्द्र अत्रे ने छात्रों को मूर्ति निर्माण की पूरी प्रक्रिया समझाई और उन्हें व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया। अत्रे ने विद्यार्थियों को समझाया कि प्राकृतिक सामग्री से बनी मूर्तियां न केवल सुंदर होती हैं बल्कि पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाती।